श्री शिवकृपानंद स्वामी

'समर्पण भवन', एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम्।।

18-8-2015

❀ निवेदन ❀

सभी ट्रस्टी, पदाधीकारीयो को मेरा नमस्कार - - -
हमारी संस्कृती मे मुर्ती याने भगवान यही भाव होता है। मैं कोई भगवान नही हु। केवल परमात्मा का एक "माध्यम" हु। लेकीन अपनी ग्रहण करने की "क्षमता" बढाने के लीये और उनको आयी "अनुभुतीयो" के कारण कई साधको ने मुझे "देवतुल्य" दर्जा दिया है, और यही कारण है। मुझे उस "देवतुल्य" स्थिती के उच्च शिखर पर ही सदैव रहना पडता है,
ट्रस्टी या अन्य पदाधीकारी मेरे सामने व्यवस्था के "प्रश्न" खडे कर मुझे उस देवत्व के उच्च "शिखर" से निचे "तलहटी" मे ले आते है, लेकीन बाद मे फीर स्वंयम ही बाद मे उच्च शिखर स्वंयम ही पडुच जाता हु. उदाहरण के लीये 16 ता. सौराष्ट्र आश्रम मे 3 व्यवस्था की मिटींग लेने के बाद उसी दिन शाम 5॥ बजे का "प्रवचन", या कल के प्रवास के बाद आज दो जैन मुनीयो के शिबीर या यादगार थे। जो आज डोम्बीवली मे लीये है।

॥ जय बाबा स्वामी ॥

श्री शिवकृपानंद स्वामी

'समर्पण भवन', एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम्।।

बार बार आध्यात्मीकता के उच्च शिखर से बार² निचे आना मेरे "स्वास्थ्य" के दृष्टी से अच्छा नही है, मेरी इच्छा आप व्यवस्था मे से मुझे "मुक्त" करो और आपस मे आत्मीय संबन्ध बनाकर "गुरुकार्य" करो और सारे निर्णय "सामुहीकता' मे लो और कोई भी एकाधीकार दिखाता है, उसी समय मुझे सुचीत करो लेकीन छोटी छोटी बातो के लीये मुझे बार² शरीर के स्तर पर मत लाओ। क्योकी ऐसा करने से आप मेरा "गलत ईस्तमाल" कर रहे हो। जिस माध्यम के साथ लाखो पवीत्र आत्माऐ जुडी है, उस "माध्यम" का इस प्रकार का उपयोग कहाँ तक उचीत है। आपका "अंहकार" ही सबसे बडी बाधा है, आप सभी इस "निवेदन" पर सामुहीकता मे चिन्तन करे। आप सभी को खुब खुब आशिर्वाद

आपका
बाबास्वामी
18/8/2015